भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या: 4759
गुरूवार, 21 अगस्त, 2025/30 श्रावण,1947 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

कर्नाटक के लिए ड्रोन कॉरिडोर

4759. श्री कोटा श्रीनिवास पूजारीः

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का चिकित्सा आपूर्ति, आपदा राहत कार्यों और कृषि सेवाएं प्रदान करने हेतु कर्नाटक में समर्पित ड्रोन गलियारों/ड्रोन केन्द्रों का निर्माण करने का विचार है;

(ख) यदि हां, तो कार्यान्वयन हेतु चुने गए जिलों और क्षेत्रों सहित इन विशिष्ट मार्गों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने क्षेत्रीय संपर्क योजना, उड़े देश का आम नागरिक (आरसीएस–उड़ान) अथवा अन्य किसी प्रकार से, राज्य में राजधानी बेंगलुरू से इतर क्षेत्रीय हवाई संपर्क का विस्तार करने के लिए कोई पहल की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) कर्नाटक के पर्वतीय और तटीय क्षेत्रों में विमानन अवसंरचना के विकास की वर्तमान स्थिति क्या है?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) और (ख) नागर विमानन मंत्रालय के पास वर्तमान में ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

(ग) और (घ) आरसीएस–उड़ान योजना के तहत, आरसीएस उड़ानों के प्रचालन के लिए कर्नाटक में नौ (9) अल्पसेवित और असेवित हवाईअड्डों – बीदर, मैसूर, विद्यानगर, हुबली कलबुर्गी, बेलगाम, शिवमोग्गा, विजयपुरा और कारवार की विकास के लिए पहचान की गई है। उड़ान योजना के तहत सात (7) हवाईअड्डों बीदर, मैसूर, विद्यानगर, हुब्बल्ली, कलबुरगी, बेलगाम और शिवमोग्गा में पहले ही प्रचालन आरंभ हो चुके हैं।

उड़ान 5.2 के अंतर्गत, बेल्लारी और कोलार हवाईपट्टियों के लिए छोटे विमान प्रचालन (20 सीटों से कम) के लिए बोलियाँ प्राप्त हुई हैं। कर्नाटक राज्य सरकार को इन हवाईअड्डों के विकास के लिए भूमि की उपलब्धता की सहमति और पुष्टि करनी होगी।

इसके अतिरिक्त, उड़ान योजना दस्तावेज़ में बोली के लिए कर्नाटक में निम्नलिखित वॉटर एयरोड्रोम उपलब्ध हैं:

बिंदूर (उडुपी)

गणेशगुडी (सुपा बांध जलाशय)
काबिनी बांध जलाशय
काली नदी मुहाना (कारवार) कर्नाटक
मालपे (उडुपी) कर्नाटक
मंगलुरु (दक्षिण कन्नड़)
सिगंदुर (लिंगनमक्की बांध जलाशय)

उड़ान 5.5 के अंतर्गत, कर्नाटक के मंगलुरु (दक्षिण कन्नड़) (डब्ल्यूए) और काबिनी बांध जलाशय (डब्ल्यू) से सीप्लेन प्रचालन के लिए बोलियाँ प्राप्त हुई हैं। इन एयरोड्रोमों को जोड़ने वाले सीप्लेन मार्गों के लिए आशय पत्र (एलओआई) जारी किए जा चुके हैं।

******